BCM School Basant Avenue Ludhiana

Class VIII

Subject - Hindi

1. दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

संगीत मानव जीवन का अभिन्न अंग है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि मानसिक शांति और सृजनात्मकता का स्रोत भी है। भारत में संगीत की दो प्रमुख शैलियाँ हैं – हिन्दुस्तानी और कर्नाटकी। शास्त्रीय संगीत के अलावा लोक संगीत, भजन और आधुनिक संगीत भी लोकप्रिय हैं। संगीत का प्रयोग धार्मिक अनुष्ठानों, उत्सवों, योग और चिकित्सा में भी किया जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मधुर संगीत से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है। आज संगीत एक व्यवसाय भी बन चुका है, जिससे अनेक कलाकार जुड़े हैं।संगीत न केवल भावनाओं को व्यक्त करता है, बल्कि लोगों को एक सूत्र में बाँधने का भी कार्य करता है। यह भाषा और संस्कृति की सीमाओं को पार कर हृदयों को जोड़ता है। आधुनिक युग में फिल्म, विज्ञापन और सोशल मीडिया के माध्यम से संगीत ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। विद्यालयों में भी संगीत शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा है क्योंकि यह बच्चों में आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास करता है। सच कहा जाए तो संगीत वह माध्यम है, जो मानव आत्मा को आनंद और सुकून प्रदान करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारत में संगीत की दो प्रमुख शैलियाँ कौन-सी हैं?

1) लोक और आधुनिक

2) हिन्दुस्तानी और कर्नाटकी

3) भक्ति और शास्त्रीय

4) शास्त्रीय और पाश्चात्य

2. संगीत का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में किया जाता है?

1) केवल मनोरंजन में

2) केवल शिक्षा में

3) धार्मिक अनुष्ठान, उत्सव, योग और चिकित्सा में

4) केवल फिल्म उद्योग में

3. वैज्ञानिकों के अनुसार संगीत का क्या प्रभाव होता है?

1) संगीत से नींद आती है

2) संगीत से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है

3) संगीत से कार्यक्षमता घटती है

4) संगीत केवल शौक है

कथन–कारण प्रश्न

4.कथन (A): संगीत मानसिक शांति और सृजनात्मकता का स्रोत है।

कारण (R): क्योंकि संगीत सुनने से मन प्रसन्न होता है और विचारों में नवीनता आती है।

1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

2) कथन और कारण दोनों सत्य हैं, पर कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

3) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है।

4) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है।

5.कथन (A): आज संगीत केवल मनोरंजन का साधन रह गया है।

कारण (R): क्योंकि संगीत का प्रयोग अब केवल फिल्मों में होता है।

1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

2) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

3) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है।

4) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है।

2. पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

कछु भाभी हमको दियो, सो तुम काहे न देत।

चाँपि पोटरी काँख में, रहे कहो केहि हेतु।।

आगे चना गुरुमातु दए ते, लए तुम चाबि हमें नहिं दीने।

स्याम कह्याउे मुसकाय सुदामा सों, "चोरी की बान में हौं जू प्रवीने।।

पोटरी काँख में चाँपि रहे तुम, खोलत नहिं सुधा रस भीने।

पाछिलि बानि अजौ न तजो तुम, तैसई भाभी के तंदुल कीन्हें।।"

बहुविकल्पीय प्रश्न :

1. सुदामा ने पोटली में क्या छिपाया था?

1. चावल और गुड़

2. तंदुल (चावल)

3. मिठाई

4. कपड़े

2. सुदामा को तंदुल किसने दिए थे?

1. श्रीकृष्ण ने

2. रुक्मिणी ने

3. भाभी (पत्नी) ने

4. गुरु ने

3. “पाछिलि बानि अजौ न तजो तुम” पंक्ति से क्या अभिप्राय है?

1. सुदामा ने अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ी

2. सुदामा ने झूठ बोला

3. सुदामा ने चोरी की

4. सुदामा ने भोजन किया

4.कथन (A): श्रीकृष्ण ने सुदामा से कहा कि “चोरी की बान में हौं जू प्रवीने।”

कारण (R): क्योंकि सुदामा ने अपनी पोटली काँख में दबा ली थी और उसे खोलने में संकोच कर रहे थे।

(1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(2) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है।

(3) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है।

(4) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

5.कथन (A): श्रीकृष्ण ने सुदामा की पोटली देखकर उपहास किया।

कारण (R): क्योंकि श्रीकृष्ण सुदामा की भक्ति और स्नेह की परीक्षा लेना चाहते थे।

(1) कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(2) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है।

(3) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है।

(4) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

3. ‘जहां पहिया है’कहानी के आधार पर बताइए कि प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?

4. निर्धनता के बाद मिलने वाली संपन्नता का चित्रण ‘सुदामा चरित’ कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।

5. शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

परात

उपलब्धि